चतुर्दश माला, खंड 7, अंक 6

FOR REFERNCE ONLY.

गुरुवार, 3 मार्च, 2005
12 फाल्गुन, 1926 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

चौथा सत्र

(चौदहवीं लोक सभा)

(खण्ड 7 में अंक 1 से 10 तक हैं)

Gazette & Publications Unit
Parliament Library Building
Room No. FB-025
Block 'G'
Acc. No. 58
Dated 24/5/05

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली
मूल्य : पचास रुपये

सम्पादक मण्डल

गुरदीप चन्द मलहोत्रा
महासचिव
लोक सभा

आनन्द बी. कुलकर्णी
संयुक्त सचिव

किरण साहनी
प्रधान मुख्य सम्पादक

प्र. ना. भारद्वाज
मुख्य सम्पादक

वन्दना त्रिवेदी
वरिष्ठ सम्पादक

पीयूष चन्द्र दत्त
सम्पादक

(अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा।)

विषय-सूची

चतुर्दश माला, खंड 7, चौथा सत्र, 2005/1926 (शक)

अंक 6, गुरुवार 3 मार्च, 2005/12 फाल्गुन, 1926 (शक)

विषय **कॉलम**

सभा में निरन्तर व्यवधान के कारण कोई कार्य नहीं हो पाया 1-4

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री सोमनाथ चटर्जी

उपाध्यक्ष

श्री चरणजीत सिंह अटवाल

सभापति तालिका

श्री पवन कुमार बंसल

श्री गिरिधर गमांग

श्रीमती सुमित्रा महाजन

श्री अजय माकन

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय

श्री बालासाहिब विखे पाटील

श्री वरकला राधाकृष्णन

श्री अर्जुन सेठी

ले. कर्नल (सेवानिवृत्त) मानवेन्द्र शाह

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव

महासचिव

श्री गुरदीप चन्द मलहोत्रा

लोक सभा

गुरुवार, 3 मार्च, 2005/12 फाल्गुन, 1926 (शक)

लोक सभा पूर्वाह्न ग्यारह बजे समवेत हुई।

[**अध्यक्ष महोदय** *पीठासीन हुए*]

...(व्यवधान)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: मैं विपक्ष के माननीय नेता से अनुरोध करता हूं कि वह अपने दल के माननीय सदस्यों को समझाएं कि वे समाचार पत्र न दिखाएं।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद): अध्यक्ष जी, दूसरी तरफ से वे दिखा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय: मैं उन से भी कहूंगा। मैं सब से कहूंगा।

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: इस पक्ष के माननीय सदस्यों को भी ऐसा नहीं करना चाहिए।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय: मैं सब से कहता हूं।

...(व्यवधान)

(अनुवाद)

अध्यक्ष महोदय: मैं किसी पक्ष विशेष को नहीं टोकता हूं। कृपया समाचार पत्र न दिखाएं।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा): अध्यक्ष जी, वे अभी भी न्यूज पेपर्स दिखा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय: न्यूज पैपर नहीं चाहिये, क्वैश्चन चाहिये, थोड़ा कुछ तो फौलो कीजिए। आप बैठिये।

[अनुवाद]

कृपया मुझे सलाह मत दीजिए।

[हिन्दी]

मल्होत्रा जी, आप बोलिये।

...(व्यवधान)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: हर कोई अध्यक्षपीठ को सलाह दे रहा है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप समस्या क्यों पैदा कर रहे हैं? मैंने उनका नाम पुकारा है। कृपया अपने स्थान पर बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

[हिन्दी]

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली): अध्यक्ष जी, कल झारखंड में जो कुछ हुआ, वह हिन्दुस्तान के इतिहास में जनतन्त्र का सब से काला दिन था। वहां जनतंत्र की हत्या हुई है। वहां बिना मैजौरिटी के एक ऐसे आदमी को मुख्य मंत्री पद की शपथ दिला दी गई जिस पर उस राज्य में हत्या का मुकदमा चल रहा है।

अध्यक्ष जी, वहां जनतंत्र की हत्या हुई है, जनतंत्र का बलात्कार हुआ है। जिस तरीके से...*(व्यवधान)**

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: कृपया राज्यपाल के नाम का उल्लेख न करें।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: ठीक है।

[हिन्दी]

अध्यक्ष जी, जिस तरीके से यह काम वहां के राज्यपाल ने किया है...*(व्यवधान)**

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: इसे कार्यवाही-वृत्तांत में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

*...(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय: मुझे दिखाइए।

[हिन्दी]

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: ...*(व्यवधान)** वहां जनतंत्र की हत्या की गई है। अध्यक्ष जी जनतंत्र के साथ इस तरह की तानाशाही,

---

*कार्यवाही-वृत्तांत में सम्मिलित नहीं किया गया।

हिटलरशाही की तानाशाही, फासिज्म करने वालों की तानाशाही ...(*व्यवधान*)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: अब सभा पूर्वाह्न 11.30 बजे तक के लिए स्थगित होती है।

पूर्वाह्न 11.03 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा पूर्वाह्न 11.30 बजे तक के लिए स्थगित हुई।

लोक सभा पूर्वाह्न 11.30 बजे पुन: समवेत हुई।

पूर्वाह्न 11.30 बजे

[**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव** *पीठासीन हुए*]

...(*व्यवधान*)

[हिन्दी]

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली): सभापति महोदय, इस तरह हाउस चलाने का कोई अर्थ नहीं है, यहां पर बहस कराने का कोई अर्थ नहीं है। वहां पर लोकतंत्र की हत्या हो रही है...(*व्यवधान*)

सभापति महोदय: आप सभी अपने आसन ग्रहण करें।

...(*व्यवधान*)

पूर्वाह्न 11.31 बजे

(इस समय श्री अशोक प्रधान और कुछ अन्य माननीय सदस्य आए और सभापटल के निकट खड़े हो गए।)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद): सभापति महोदय, हमें भी बोलने का मौका दीजिए।...(*व्यवधान*)

सभापति महोदय: आप अपनी सीट से बोलिये।

...(*व्यवधान*)

सभापति महोदय: आप अपना स्थान ग्रहण करें।

...(*व्यवधान*)

सभापति महोदय: आप यह क्या कर रहे हैं?

...(*व्यवधान*)

[अनुवाद]

सभापति महोदय: अब सभा 4 मार्च, 2005 को पूर्वाह्न ग्यारह बजे पुन: समवेत होने के लिए स्थगित होती है।

पूर्वाह्न 11.32 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा शुक्रवार, 4 मार्च, 2005/13 फाल्गुन, 1926 (शक) के पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

© 2005 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (ग्यारहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अंतर्गत प्रकाशित और चौधरी मुद्रण केन्द्र, 12/3, श्रीराम मार्ग, मौजपुर, दिल्ली-110053 द्वारा मुद्रित।